स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED

CA-17(44)/2023-24

29th May, 2023

The General Manager (MO)	The Asstt. Vice President

वित्तीय धोखाधड़ी पर सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने चेताया

सीएफओ की लापरवाही भी जिम्मेदार

खुशबू तिवारी
मुंबई, 26 मई

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य एस के मोहंती ने कहा है कि वित्तीय धोखाधड़ी के प्रमुख मामलों में कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) द्वारा बरती गई लापरवाही जिम्मेदार रही है।

फिक्की सीएफओ समिट में मोहंती ने प्रवर्तकों द्वारा सहायक कंपनियों के जरिये कोष गबन के मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि आंतरिक नियंत्रण सही होता तो सीएफओ को ऐसे मामलों की जानकारी हासिल हो जाती और नियामक को समय पर कदम उठाने में मदद मिलती।

मोहंती ने कहा, 'पिछले समय में कई बार धोखाधड़ी हुई (कई बड़ी कंपनियां धोखाधड़ी में संलिप्त पाई गईं। हमारे द्वारा किए गए विश्लेषणों के आधार पर पता चलता है कि यदि संबंधित कंपनियों के सीएफओ प्रबंधन की गतिविधियों पर शुरू से ही नजर बनाए रखते तो इनमें से ज्यादातर धोखाधड़ी को रोका जा सकता था।' सेबी के अधिकारी का मानना है कि चिंता का एक मुख्य कारण यह है कि नियामक को संबंधित पक्षों से जुड़े लेनदेन में तेजी का पता चला है। मोहंती ने कहा, 'प्रवर्तन के संबंध में सेबी के पास शुरू में बाजार संबंधित धोखाधड़ियों, भेदिया कारोबार, फर्जी योजनाओं आदि की जांच के लिए सिर्फ एक विभाग था। कॉर्पोरेट धोखाधड़ी को ध्यान में रखते हुए हमने एक विशेष जांच विभाग बनाया पड़ा, जिसमें ज्यादातर चार्टर्ड अकाउंटेंट शामिल हैं।' धोखाधड़ी, कोष गबन या अन्य तरह की हेराफेरी की जांच करने के लिए जिम्मेदार कॉर्पोरेशन फाइनैंस इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट (सीएफआईडी) ने वर्ष 2021-22 में वित्तीय विवरण धोखाधड़ी श्रेणी से संबंधित 13 मामले पाए, जबकि ऐसे 10 मामले 2021-22 में निपटाए गए थे। सेबी ऐक्ट की धारा 11 के तहत सीएफआईडी ने वित्त वर्ष 2022 में 74 कंपनियों पर नियामकीय कार्रवाई शुरू की, जबकि वित्त वर्ष 2021 में ऐसे मामलों की संख्या 4 थी। विभाग ने वित्त वर्ष 2023 में 8 प्रशासनिक चेतावनियां भी जारी की थीं जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या महज 3 थी। पूर्णकालिक सदस्य मोहंती ने कंपनियों द्वारा नियामकीय अनुपालन के लिए तकनीकी विश्लेषण टूल्स अपनाए जाने की जरूरत पर भी जोर दिया। मोहंती ने कहा, 'सीएफओ को तकनीक पर निर्भरता बढ़ानी होगी, जिससे कि आंतरिक नियंत्रण की निगरानी में मदद मिल सके।'

उनकी यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब बाजार नियामक ने ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक, प्रशासनिक) रिपोर्टिंग और बीआरएसआर कोर की प्रक्रिया में सुधार किया है। बीआरएसआर कोर व्यावसायिक जिम्मेदारी के लिए ज्यादा सक्षम मॉडल है।

धोखाधड़ी पर लगाम की कवायद

- बाजारों में पिछले समय में कई बार धोखाधड़ी हुई थी
- कई बड़ी कंपनियां धोखाधड़ी में संलिप्त पाई गईं
- यदि संबंधित कंपनियों के सीएफओ शुरू से ही प्रबंधन की गतिविधियों पर नजर रखते तो इनमें से ज्यादातर धोखाधड़ी को रोका जा सकता था

बिचौलियों के कामकाज पर नजर रखेगी सेबी की समिति

खुशबू तिवारी
मुंबई, 26 मई

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कानूनी ढांचे में बदलाव और स्टॉक एक्सचेंजों, डिपोजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी), क्लियरिंग कॉर्पोरेशन जैसे बाजार बिचौलियों से जुड़े बदलावों पर बाजार नियामक को सलाह प्रदान करेगी।

एस रवींद्रन के नेतृत्व वाली यह समिति कानूनी ढांचे में पारदर्शिता लाने और बाजार सुरक्षा संबंधित विषयों पर नियामक को परामर्श मुहैया कराएगी

इस समिति का नेतृत्व सेबी के पूर्व कार्यकारी निदेशक एस रवींद्रन द्वारा किया जाएगा। वह निवेश प्रबंधन, और विदेशी संस्थागत निवेशकों और कस्टोडियन से संबंधित विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

एनएसई और बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी आशिष चौहान और सुंदरामन राममूर्ति के अलावा समिति में ब्रोकिंग समुदाय, विधि और वित्तीय संस्थानों की भी भागीदारी होगी।

बाजार नियामक ने कहा कि समिति का कार्य बिचौलियों द्वारा तकनीक और साइबर सुरक्षा के चयन पर सलाह प्रदान कराना, बाजार सुरक्षा, पारदर्शिता को पुख्ता बनाने के उपाय सुझाना और व्यवस्था तथा प्रक्रियाओं को आसान बनाने के बारे में सलाह मुहैया कराना होगा।

21 सदस्यों की इस समिति में एसोसिएशन ऑफ नैशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष विजय मेहता, जीरोधा ब्रोकिंग के सीईओ नितिन कामत, ग्रो के सीईओ ललित केशरे, सिटीग्रुप के प्रबंध निदेशक आदित्य बागड़ी, बॉम्बे ब्रोकर्स फोरम के चेयरमैन ललित मूंदड़ा, सीडीएसएल वेंचर्स के एमडी एवं सीईओ सुनील अल्वारेस मुख्य रूप से शामिल होंगे।

बाजार नियामक नए प्रस्ताव पेश किए जानेसे पहले कुछ खास सेगमेंटों के लिए गठित समितियों के साथ परामर्श करता है।

सेबी ने पिछले कुछ महीनों से बाजार बिचौलियों पर अपनी निगरानी बढ़ाई है।

बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 26 मई

जेफरीज में इक्विटी रणनीति के वैश्विक प्रमुख क्रिस्टोफर वुड का मानना है कि बीएसई का सेंसेक्स मौजूदा चिंताओं और हालात का सामना कर जल्द ही 1,00,000 के आंकड़े पर पहुंच जाएगा। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से इस सूचकांक में करीब 62 प्रतिशत तेजी आ सकती है। वुड का मानना है कि भारत दुनिया भर के बाजारों में मजबूत बुनियादी आधार और सफलता वाला देश बना हुआ है।

निवेशकों को भेजी अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट 'ग्रीड ऐंड फियर' में वुड ने लिखा है, 'ढांचागत हालात मजबूत बने हुए हैं, इसलिए 'ग्रीड ऐंड फियर' का मानना है कि सेंसेक्स 1,00,000 के स्तर पर पहुंच सकता है। पांच साल के नजरिये पर इस लक्ष्य से अब 15 प्रतिशत ईपीएस वृद्धि के रुझान का संकेत मिलता है और 19.8 गुना का पांच वर्षीय औसत एक वर्षीय पीई मल्टीपल बना हुआ है।' शेयरों के संदर्भ में बात करें तो वुड ने अपने भारतीय पोर्टफोलियो में 4 प्रतिशत भारांक के साथ जोमैटो को शामिल किया है, जबकि एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस में निवेश घटाया है। आरईसी लिमिटेड में निवेश दो प्रतिशत तक बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, 'जोमैटो में निवेश वैश्विक लॉन्ग-ओनली इक्विटी पोर्टफोलियो में भी बढ़ाया जाएगा। इसके बदले जेडी डॉटकॉम और अलीबाबा में दो-दो प्रतिशत अंक तक निवेश कम किया जाएगा।' इस बीच, कुछ अन्य बाजार विश्लेषक भी भारतीय बाजार पर उत्साहित बने हुए हैं और भविष्य में सेंसेक्स में शानदार तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। 27 मई, 2021 की रिपोर्ट में मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल ने सुझाव दिया था कि बीएसई का सेंसेक्स अगले 10 साल में 2,00,000 पर पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तरों से करीब 224 प्रतिशत की तेजी है। जब अग्रवाल ने यह अनुमान जताया था, तब सेंसेक्स 51,500 के स्तरों के आसपास कारोबार कर रहा था।